केवल मूल्यांकनकर्ता के उपयोग हेतु!

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

32 पृष्ठीय

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे। प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्टी करें।

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक (अंकों में)	प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक (अंकों में)
1			17		
2			18		
3			19		
4			20		
5			21		
6			22		
7			23		
8			24		
9			25		
10			26		
11			27		
12			28		
13					
14					
15					
16					

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे

प्रमाणित किया जाता है कि अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टी एवं अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धा

परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा

JAGESH SONI

C.K. Sourastriya (U.M.T.)
Mob.- 97
V.N

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

उत्तर क्रमांक -1

(i)
(स) मराठी

(ii)
(ब) भी

(iii)
(अ) 1556

(iv)
(स) दो

(v)
(ब) अर्थालंकार

(vi)
(अ) भगत जी

B
S
E

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

उत्तर क्रमांक - 2

(i) पाठशाला

(ii) वेब दुनिया

(iii) ~~भर~~ भार

(iv) व्यतिरेक

~~(v) तीन~~

(v) जैनेन्द्र कुमार

(vi) तीन

B S E

(P.T.O)

योग पूर्व पृष्ठ

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

उत्तर क्रमांक - 3

(i) असत्य

(ii) सत्य

(iii) सत्य

(iv) सत्य

(v) सत्य

(vi) असत्य

B
S
E

(P. T. O)

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

उत्तर क्रमांक - 5

'क'	'ख'
(i) यशोधर बाबू	(अ) सिल्वर वैडिंग
(ii) अंतरंग साक्षात्कार	~~(ब) इलाहाबाद डायरी~~ (अ)
(iii) हरिवंशराय बच्चन	(ब) इलाहाबाद
(iv) प्रगतिवाद	(ई) 1936
(v) यशोधरा	(फ) खण्डकाव्य
(vi) कथानक	(ई) कहानी
(vii) संस्कृत के मूल शब्द	(द) तत्सम

(P.T.O)

मध्यप्रदेश

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

उत्तर क्रमांक - 5

(i) आम तौर पर रेडियो नाटक की अवधि 15-30 मिनिट की होती है।

(ii) 'सूरज का सातवां घोड़ा' धर्मवीर भारती की रचना है।

(iii) 'निर्वेद' शांत रस का स्थाई भाव है।

(iv) 'दुनिया रोज बनती है' आलोक धन्वा का एक मात्र काव्य संग्रह है।

(v) पहलवान लुट्टन सिंह के दो पुत्र थे।

(vi) 'दुर्घटना से बचना' बाल-बाल बचना मुहावरे का अर्थ है।

(vii) सिंधु सभ्यता का सबसे बड़ा नगर मुअनजो-दड़ो है।

B
S
E

(7)

पाने पूर्व पृष्ठ   पृष्ठ 7 के अंक   कुल अंक

प्रश्न क्र.

उत्तर क्रमांक - 6

(i) राम अयोध्या आ जाना।

(ii) ललिता फूलों की माला बाजार से लाई।

B
S
E

उत्तर क्रमांक - 7

'ओम थानवी' द्वारा 'अतीत में दबे पाँव' में मुअनजो-दड़ो की नगर नियोजन की दो ~~विश~~ विशेषताएं निम्न-लिखित हैं -

(1) मुअनजो-दड़ों ~~में~~ के नगरों बंद्ध एवं पक्की नालियां पाई जाती थी।

(2) मुअनजो-दड़ों की सड़के 'ग्रीड' पेटर्न पर बनाई जाती थी।

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

उत्तर क्रमांक - 8

मुद्रित माध्यमों में लेखन के लिए ध्यान रखने योग्य दो बाते इस प्रकार हैं।-

(1) साथ- सुथरी भाषा का प्रयोग किया जाना चाहिए।

(2) कठीन शब्दों का प्रयोग न करते हुए आम -बोलचाल के प्रचलित शब्दों का प्रयोग किया जाना चाहिए।

BSE

प्रश्न क्र.

उत्तर क्रमांक - 9

बच्चे अपने माता-पिता की प्रतीक्षा एवं आशा में नीड़ों से झाँक रहे हैं। 'दिन जल्दी-जल्दी ढलता' में कवि हरिवंशराय बच्चन कहते है कि चिड़िया की के माता-पिता भोजन की तलाश में निकले हैं। इनके आने में हो रही देर के कारण भूख से व्याकुल बच्चें नीड़ों से झांक रहें हैं।

B
S
E

उत्तर क्रमांक - 10

प्रयोगवाद के प्रवर्तक 'अज्ञेय' है।

प्रयोगवाद की दो विशेषताऐं हैं -

(1) नवीन उपमानों का प्रयोग प्रयोगवाद में हुआ है।

(2) प्रयोगवाद में प्रेम का खुला चित्रण हुआ है।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

उत्तर क्रमांक -11

दो महाकाव्यो एवं उनके रचनाकार इस प्रकार हैं-

महाकाव्य	रचनाकार
(1) रामचरितमानस	गोस्वामी तुलसीदास
(2) ~~कामय~~ साकेत	मैथिलीशरण गुप्त

(P.T.O)

पृष्ठ 11 के अंक कुल अंक

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

उत्तर क्रमांक - ~~11~~ 12

वीर रस –

'सहृदय के हृदय में जब उत्साह / जोश नामक स्थाई भाव का विभाव अनुभाव व संचारी भाव से जब संयोग होता है, तब वह वीर रस कहलाता है।

उदाहरण – "बुन्देले हरबोलों के मुंह, हमने सुनी कहानी थी।
खूब लड़ी मर्दानी वह तो, झाँसी वाली रानी थी॥"

– सुभद्रा कुमारी चौहान

B
S
E

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

उत्तर क्रमांक - 13

'भक्तिन' पाठ में लेखिका 'महादेवी वर्मा' भक्तिन के आ जाने से अधिक देहाती हो जाती है। भक्तिन ऐसी महिला जो स्वयं में कोई परिवर्तन नहीं चाहती, वह दुसरों को अपने अनुसार ढाल लेती है।

भक्तिन लेखिका को मकई का दलिया, बाजरे के पुए आदि खाने में देती है। भक्तिन साथ रहकर वह गाँव की भाषा के शब्द भी सीख जाती है। इस प्रकार भक्तिन के आ जाने से महादेवी वर्मा अधिक देहाती हो जाती है।

BSE

कुल अंक

मध्यप्रदेश

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

उत्तर क्रमांक - 14

BSE

आत्मकथा और जीवनी में दो अंतर इस प्रकार हैं-

आत्मकथा	जीवनी
1. आत्मकथा में लेखक अपने जीवन की घटनाओं का तटस्था, वास्तविका एवं ईमानदारी से वर्णन करता है।	1. जीवनी में लेखक किसी महानपुरुष की जीवन ~~सेलेक~~ की घटनाओं का जन्म से लेकर मृत्यु तक का वर्णन करता है।
2. आत्मकथा कल्पना आधारित होती है और कोई भी लिख सकता है।	जीवनी सत्यता पर आधारित होती है एवं महानपुरुषों की जीवनी लिखी जाती है।
उदाहरण -> बाबर द्वारा रचित 'बाबर नामा'	उदाहरण -> 'कलम का सिपाही' अमृतराय द्वारा रचित

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

उत्तर क्रमांक - 15

निपात शब्द

वाक्य में अधिक बल प्रदान करने वाले शब्दों को निपात शब्द कहते हैं।

उदाहरण → भी, ही, तो

B
S
E

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

उत्तर क्रमांक - 16

मुहावरे एवं लोकोक्ति में तीन अंतर इस प्रकार हैं -

मुहावरा	लोकोक्ति
1. मुहावरे वाक्यांश होते हैं।	1. लोकोक्ति पूर्ण वाक्य होती है।
2. मुहावरे विकारी (परिवर्तनशील) होते हैं।	2. लोकोक्ति अविकारी (अपरिवर्तनशील) होती है।
3. मुहावरे जल्दी प्रचलन में आते हैं तथा ये लोग जीवन की धरोहर होती है।	3. ~~मुह~~ लोकोक्ति को प्रचलन में आने में समय लगता है तथा ये साहित्य का श्रृंगार होती हैं।
उदाहरण	उदाहरण
नौ-दो ग्यारह होना	अधजल गगरी छलकत जाय

B
S
E

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

उत्तर क्रमांक - 17

काव्यगत परिचय
'रघुवीर सहाय'

(i) दो रचनाएँ - 1. 'सिड़ियों पर धूप में'
2. 'लोग भूल गए हैं' (काव्य संग्रह)

B S E

(ii) भावपक्ष -

रघुवीर सहाय ने अपनी काव्य रचनाओं में मध्यम वर्गीय जीवन का यथार्थ वर्णन किया है। आपने राजनैतिक भ्रष्टाचार, मार-काट, लूट आदि बुराइयों का विरोध किया है। शोषित वर्ग की पीड़ा आपके काव्यों में मिलती है।

कलापक्ष -

रघुवीर सहाय ने अपनी रचनाओं में हिन्दी, अंग्रजी, उर्दू एवं फारसी भाषा के शब्दों का सुन्दर प्रयोग किया है। आपने अलंकारों के साथ मुहावरे एवं लोकोक्तियों का भी प्रयोग आपकी रचनाओं में देखने को मिलता है।

मध्यप्रदेश

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

(iii) साहित्य में स्थान –

रघुवीर सहाय जी 'अज्ञेय' द्वारा संपादित 'दुसरे तार सप्तक' के प्रमुख कवि हैं। आप पेशे से पत्रकार थे फिर भी आपने काव्य की। हिन्दी साहित्य जगत में नवीन छंद विधान के लिए आप सदैव स्मरणीय रहेंगें।

उत्तर क्रमांक - 18

साहित्यिक परिचय
'महादेवी वर्मा'

(i) दो रचनाएँ – 1.) दीपशिखा
2.) यामा

(ii) भाषा –

महादेवी जी की भाषा ~~सेर~~ सरल एवं सुबोध है। आपकी रचनाओं में छायावादी गुणों से युक्त है। आपकी रचनाओं ~~प्रे~~ में प्रेम एवं वेदना के भाव दिखाई देते हैं। आपने अंग्रजी एवं संस्कृत के शब्दों का प्रयोग अपनी काव्य रचनाओं में

B
S
E

मध्यप्रदेश
EDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

किया है।

शैली –
महादेवी जी ने मुख्य रूप से भावात्मक शैली का प्रयोग किया है। प्रकृति चित्रण के लिए आपने चित्रात्मक शैली का प्रयोग किया है। साथ ही आपने वर्णनात्मक, विवरणात्मक आदि शैली का प्रयोग अपनी काव्यों की रचना में किया है।

B S E

(iii) साहित्य में स्थान –
छायावाद की स्तम्भों में एक महादेवी जी वर्मा, हिन्दी साहित्य की सर्वाधिक श्रेष्ठ कवयित्री हैं। विरह वेदना की कवयित्री होने के कारण आपको 'आधुनिक व कलयुग की मीरा' भी कहा जाता है। यामा संग्रह के लिए आपको 'ज्ञानपीठ पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। हिन्दी साहित्य में आप चंद्रमा के समान सदैव स्मरणीय रहेंगीं।

(19)

प्रश्न क्र.

उत्तर क्रमांक - 19.

(i) 'हमारा प्यारा भारत वर्ष' उपर्युक्त पद्यांश का शीर्षक है।

(ii) भारतवासियों की निम्न- लिखित विशेषताएं हैं-

(1) साहसी होते हैं।
(2) ज्ञानी होते हैं।
(3) भारतवासी शक्तिवान होते हैं।

(iii) हम अपने देश पर अपना सर्वस्य न्यौछावर कर सकते हैं। हम अपने देश जी के लिए जी भी सकते हैं और मर भी सकते हैं।

B
S
E

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

उत्तर क्रमांक - 20.

B S E

संदर्भ :-

प्रस्तुत गद्यांश हमारी पाठ्यपुस्तक 'आरोह भाग-2' के पाठ 'शिरीष के फूल' से अवतरित है। इसके लेखक 'हजारी प्रसाद' द्विवेदी है।

प्रसंग :- प्रस्तुत गद्यांश में शिरीष को अवधूत के समान बताते हुए उसकी विशेषताऐं बताई गई हैं।

व्याख्या :-

प्रस्तुत गद्यांश में लेखक कहते है कि शिरीष एक अवधूत (संयासी) के समान सुख को और दुख को सहन करते हुए, मस्त फूलता रहता है। वह कभी हार नहीं मानता है। वह किसी से कुछ लेता-देता नहीं। वह वायुमण्डल से अपना रस खीचकर, इस प्रचण्ड गर्मी में भी निर्घात रूप से फलता-फूलता रहता है। इसे ठंड, गर्मी तथा वर्षा प्रभावित नहीं करती है। वह मस्ती से प्रातीदिन खिलता रहता है।

प्रश्न क्र.

विशेष -

(1) शिरीष को अवधूत बताया गया है।
(२) तत्सम तथा तद्भव शब्दों का प्रयोग हुआ है।
(3) भाषा सरल, सहज, भावपूर्ण है।

उत्तर क्रमांक - २1

संदर्भ :-

प्रस्तुत पद्यांश हमारी पाठ्यपुस्तक 'आरोह- भाग -२' के 'कवितावली (उत्तर काण्ड)' से अवतरित है। इसके रचयिता 'गोस्वामी तुलसीदास' हैं।

प्रसंग :-

प्रस्तुत पद्यांश में तुलसीदास ने पेट की आग को भुजाने के लिए, मनुष्य द्वारा करे गए प्रयत्नों का वर्णन किया है।

व्याख्या :-

गोस्वामी तुलसीदास जी कहते है कि व्यापारी, किसान, किसान का परिवार, नोकर, चोर

B S E

प्रश्न क्र.

भिखारी आदि के पास रोजगार नहीं है। ये सभी पेट की आग को भुजाने के लिए गहन वन में भ्रमण करते हैं तथा शिकार करते है। ऊँचे, नीचें धर्म-अधर्म का लिहाज नहीं रखते है। तुलसीदास जी इस पेट की आग को समुद्र की आग से बड़ा बताते हुए कहते है कि इस आग को सिर्फ रामभक्ति के कृपा रूपी मेघ से ही मिट सकती है।

B
S
E

काव्य सौन्दर्य -

1) पेट की आग को समुद्र की आग से बड़ा बताया है।
2) 'किसान-कुल' में अनुप्रास अलंकार है।
3) तत्सम शब्दों का प्रयोग है।
4) ब्रज भाषा का सुन्दर प्रयोग है।
5) सवैया छन्द है।

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

BSE

उत्तर क्रमांक - 22.

निबंध

विषय :- प्रदूषण का बढ़ता प्रभाव

रूपरेखा -

(i) प्रस्तावना
(ii) प्रदूषण की बढ़ती समस्या
(iii) प्रदूषण के कारण
(iv) इसके रोक के उपाय
(v) उपसंहार

प्रदूषण है एक बिमारी
जिससे त्रस्त है दुनिया सारी।

(i) प्रस्तावना :-

प्रदूषण का अर्थ है- दुषित करना। आज हम विज्ञान के युग में जीवन जी रहे हैं। बढ़ते विज्ञान के ~~सा~~ चरण और इसके अंधाधुंध प्रयोग ने ही प्रदूषण को जन्म दिया है। प्रदूषण की समस्या

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

दिन - प्रतिदीन बढ़ती जा रही है।

(ii) <u>प्रदूषण की बढ़ती समस्या</u>-

यद्यपि प्रदूषण की समस्य सदा से ही रही है किन्तु आधुनिक युग में यह विकराल रूप धारण करती जा रही है। दुषित भोजन एवं जल से हमारा स्वास्थ्य खराब हो रहा है। हम अनेक बिमारियों का शिकार बन रहे है।

(iii) <u>प्रदूषण के कारण</u> -

उद्योगों से निकलता हुआ धूल एवं धुआँ प्रदूषण का मुख्य कारण है। खेती में रसायनों का बढ़ता प्रयोग से पदूषण होता है। प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध प्रयोग से प्रदूषण और तेजी से बढ़ रहा है।

(iv) <u>इसके ~~प्र~~ रोक के उपाय</u> -

अबकी बार, प्रदूषण पे वार

B
S
E

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रदूषण के बढ़ते प्रभाव को रोकने के लिए निरंतर प्रयास जरूरी है। फैक्ट्रियों से निकलते हुए दूषित जल को सही दिशा में पहुँचाना। पॉलिथीन का प्रयोग कम करना। खेती में रसायनों का कम-से-कम प्रयोग करके प्रदूषण रोका जा सकता है।

B
S
E

5] उपसंहार :

"हम सब ने यह ठाना है,
प्रदूषण को हराना है। "

प्रदूषण की समस्या के अनेक प्रभाव हैं। यदि इसे जल्दी ही नहीं रोका गया तो यह मानवता का विनाशक सिद्ध हो सकता है। इसलिए हमें हमारे आस-पास के वातावरण को स्वच्छ एवं प्रदूषण रहित बनाना चाहिए। कूड़े-कचरे को कूड़ेदान में ही फेंकना चाहिए।

पिछला पूर्व पृष्ठ पृष्ठ 26 के अंक

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

उत्तर क्रमांक - 23.

प्रति,
श्रीमान् निगमायुक्त महोदय,
नगर निगम, भोपाल
भोपाल (म.प्र.)

विषय- नियामित जल आपूर्ति के संदर्भ में।
महोदय,
सविनय निवेदन है कि मैं भोपाल का निवासी हूं। हमारी 'कल्याणी' नामक कॉलोनी में पिछले पाँच दिन से पानी नहीं आ रहा है।
अतः श्रीमान् जी से निवेदन है कि जल्दी-से-जल्दी इसके संबंध में कार्यवाही करे। ताकि गर्मी के दिनों ये समस्य न हो सके।
धन्यवाद
दिनांक- 06/02/24

प्रार्थी
वार्ड. 6 कल्याणी कॉलोनी के समस्य लोग

B
S
E